Exam. Code : 216304
Subject Code : 5848

M.A. Hindi 4th Semester

ADHUNIK GADHYA SAHITYA

Paper—XVII

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

प्रथम भाग

उपशीर्षक—क

नोट :— निम्नलिखित छः गद्यांशों में से किन्हीं **चार** की सप्रसंग व्याख्या कीजिये।

1. आनन्द की अरूण आभा धुंधली धुंधली फूटती हुई अंत में बसंत की पूर्ण प्रफुल्लता और प्रचुरता के रूप में फैल जाती है; इसी प्रकार लोक की पीड़ा, बाधा, अन्याय, अत्याचार की बीच दबी हुई आनन्द-ज्योति भीषण शक्ति में परिणत होकर अपना मार्ग निकालती है और फिर लोकमंगल और लोकरंजन के रूप में अपना प्रकाश करती है।

2. मुझे मानव-जाति की दुर्दम-निर्मम धारा के हज़ारों वर्ष का रूप साफ दिखायी दे रहा है। मनुष्य की जीवनी-शक्ति बड़ी निर्मम है, वह सभ्यता और संस्कृति के वृथा मोहों को रौंदती चली आ रही है। न जाने कितने धर्माचारों, विश्वासों, उत्सवों और व्रतों को धोती-बहाती यह जीवन-धारा आगे बढ़ी है। संघर्षों से मनुष्य ने नयी शक्ति पायी है।

3. असल बात इतनी ही है कि महेन्द्र की जगह इनमें से कोई भी आदमी होता तुम्हारी ज़िंदगी में तो साल दो साल बाद तुम यही महसूस करती कि तुमने एक गलत आदमी से शादी की है।

4. कितने साल हो चुके हैं मुझे ज़िन्दगी का भार ढोते ? उनमें से कितने साल बीते हैं मेरे इस परिवार की देख-रेख करते ? और उस सब के बाद आज पहुँचा कहाँ हूँ ? यहाँ कि जिसे देखो वही मुझसे उल्टे ढंग से बात करता है।

5. मैं नम्रतापूर्वक, तटस्थ भाव से उनकी शिक्षा को सुन और समझ रहा था। इस निमित्त से मैंने हिन्दू धर्म का यथाशक्ति अध्ययन किया और दूसरे धर्मों को समझाने की कोशिश की।

6. यदि कल तुम्हें कुछ हो जाए तो पत्नी और बच्चों के भरण-पोषण का भार उन गरीब भाई पर ही पड़ेगा न, जिन्होंने पिता का स्थान लिया है और उसे सुशोभित किया है।

4×6=24

उपशीर्षक—ख

नोट :— निम्नलिखित छः प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. हिन्दी निबंध-विकास में प्रतापनारायण मिश्र के योगदान का सामान्य परिचय दीजिये।

2. निबंध साहित्य में प्रतापनारायण मिश्र के महत्व का सामान्य परिचय दीजिये।

3. नाटककार भारतेन्दु का सामान्य परिचय दीजिये।

downloaded from StudentSuvidha.com
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

4. नाट्यकला के विकास में भारतेन्दु के योगदान का सामान्य परिचय दीजिये।

5. यशपाल का हिन्दी आत्मकथा-लेखन के विकास में योगदान का सामान्य परिचय दीजिये।

6. यशपाल की आत्मकथा का सामान्य परिचय दीजिये।

4×6=24

द्वितीय भाग

नोट :— निम्नलिखित **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** का उत्तर दीजिये।

1. उपेक्षित पात्रों का सरोकार निबंध के आधार पर कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता की विवेचना कीजिये।

2. 'आधे-अधूरे' नाटक में अभिव्यक्त अस्तित्ववादी चेतना का विवेचन कीजिये।

3. 'मेरी आत्मकथा' की तत्वगत समीक्षा कीजिये। 2×16=32

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com